A

SUCCESS STORY OF BENEFICIARY FARMERS

Year 2015-16

नर्सरी सीडलिंग रेजिंग इन लोटनल पॉलीनेट

लाभार्थी का नाम	: श्री नफीस
फसल	: मिर्च
ग्राम	: टियाला
ब्लाक	: हापुड़
जनपद	: हापुड़

लाभार्थी का नाम : मो0 तारिक
फसल : ग्लैडियोलस
ग्राम : सिसई
ब्लाक : तेजवापुर
जनपद : बहराइच

मधुमक्खी पालन

लाभार्थी का नाम : श्री आशाराम गुप्ता
फसल : मधुमक्खी पालन
ग्राम : मुडेरा
ब्लाक : बसखारी
जनपद : अम्बेडकर नगर

बागों का अनुरक्षण कार्यक्रम

लाभार्थी का नाम	:	मो0 अजमल
फसल	:	अमरूद
ग्राम	:	बारापत्थर
ब्लाक	:	चित्तौरा
जनपद	:	बहराइच

प्रशिक्षण भ्रमण टीम को रवाना करते मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच

पातगोभी कार्यक्रम

लाभार्थी का नाम : वली मोहम्मद
ग्राम : घुंघराला
विकास खण्ड : हापुड़
जनपद : हापुड़

मचान विधि से लतावर्गीय सब्जियों की खेती
लाभार्थी का नाम : बालक राम
फसल : लौकी
ग्राम : नियाजपुर
ब्लाक : महोली
जनपद : सीतापुर

लाभार्थी का नाम	:	श्रीमती सावित्री देवी
फसल	:	करेला
ग्राम	:	बंजरिया
ब्लाक	:	महसी
ज्नपद	:	बहराइच

सफलता की कहानी किसान की जुबानी

मैं दिनेश कुमार पुत्र जगदीश सिंह ग्राम कांवी विकास खण्ड हापुड़ का निवासी हूँ। मैं अपनी 1000 वर्ग मीटर में पहले सब्जियों की खेती करता था जिससे मुझे बहुत कम उत्पादन होता था। उसी समय वित्तीय वर्ष 2015–16 में मुझे जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय के कर्मचारियों ने गांव में खुली बैठक एवं प्रशिक्षण द्वारा पॉली हाउस निर्माण की जानकारी दी। जिसमें मैने अपने 850 वर्गमीटर में पॉली हाउस का निर्माण उद्यान विभाग के कर्मचारियों की देख–रेख में कराया। पॉली हाउस में मैने गुलाब की खेती की। जिसमें मुझे उद्यान विभाग से 50 प्रतिशत की अनुदान की धनराशि प्राप्त हुई। इसका निर्माण करने में मुझे लगभग 15 लाख रूपये की लागत लगानी पड़ी। उद्यान विभाग के मार्ग निदेशन में मैने अपने पॉली हाउस में ताजमहल गुलाब का उत्पादन किया। जिसमें मुझे शाकभाजी खेती की अपेक्षा लगभग 4 गुना लगभग 3 लाख रूपये 850 वर्ग मीटर पर शुद्ध आय प्राप्त हुई। मैने पॉली हाउस में खेती करने के साथ–साथ अन्य कृषकों को भी पॉली हाउस की जानकारी दी। साथ ही मैं उद्यान विभाग के कर्मचारियों का आभारी हूँ कि मुझे इस मुकाम पर पंहुचाया जो मैंने कभी सोंचा भी नहीं था।

सफलता की कहानी किसान की जुबानी

मैं ब्रहमजीत पुत्र श्री प्रहलाद ग्राम हरसिंगपुर विकास खण्ड हापुड़ जनपद–हापुड़ का निवासी हूँ। मैं अपनी 1 एकड़ जमीन पर गेंहूं, धान, ज्वार आदि की खेती करता था, जिसमें मुझे बहुत कम उत्पादन होता था। इसी समय में मेरे गांव में उद्यान विभाग के कर्मचारियों ने खुली बैठक का आयोजन किया जिसमें उन्होने संकर टमाटर, संकर मिर्च, पुष्प उत्पादन आदि फसलों की जानकारी दी। जानकारी देने के उपरान्त मुझे उद्यान विभाग से मिर्च का बीज निःशुल्क प्राप्त हुआ तथा मैने उद्यान विभाग के कर्मचारियों के निर्देशों में 1 एकड़ जमीन पर शिमला मिर्च की खेती की जिसमें मुझे गेंहू, धान, ज्वार की खेती की अपेक्षा मिर्च की खेती से लगभग 3 गुना अधिक लाभ प्राप्त हुआ। इसी से मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आया। मैं अपने परिवार का जीवन यापन ठीक से कर पा रहा हूँ। उद्यान विभाग के कर्मचारियों से अनुरोध है कि मुझे समय–समय पर खेती की नवीनतम तकनीकी जानकारी देने का कष्ट करें जिससे आगामी वर्षों में मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार हो तथा गांव के सभी कृषकों भाई भी योजनाओं का लाभ उठा सकें। मैं उद्यान विभाग का दिल से आभारी हूँ।

सफलता की कहानी किसान की जुबानी

मैं जगवीर सिंह पुत्र श्री बंशी ग्राम हरसिंगपुर विकास खण्ड हापुड़ जनपद का निवासी हूँ। मैं अपने खेतों में गेंहूँ, धान की खेती के साथ–साथ कुछ क्षेत्रफल में शाकभाजी की खेती करता आ रहा था। उद्यान विभाग के कर्मचारियों द्वारा गांव में करायी गयी खुली बैठकों एवं कृषक गोष्ठियों में दी गयी जानकारी के अनुसार मैनें उद्यान विभाग कार्यालय में संकर मिर्च की खेती की जानकारी ली। उद्यान विभाग के कर्मचारियों ने मुझे अनुसूचित जाति/जनजाति योजना के अन्तर्गत चलायी जा रही योजनाओं में से मुझे 0.2 हैक्टेयर खेती करने के लिए निःशुल्क संकर मिर्च का बीज प्राप्त कराया गया, मुझे पौध तैयार करने के लिए लोटनल भी प्राप्त कराये गये और उत्पादन की तकनीकी जानकारी भी दी। मैंने अपने प्रक्षेत्र पर मिर्च का रोपण कर पहले की अपेक्षा दुगुना मिर्च उत्पादन पाया। अब मेरे परिवार का जीवन यापन अच्छी तरह से व्यतीत हो रहा है। इसी के साथ उद्यान विभाग के कर्मचारियों को मैं धन्यवाद देता हूँ, जिसके बारे में मैं कभी नहीं सोच सकता था। गांव के अन्य किसान भाई भी मेरी फसल को देखकर इसका लाभ उठाना चाहते हैं। उद्यान विभाग के कर्मचारियों से मैं अनुरोध करूँगा कि मेरे साथ साथ गांव के अन्य किसानों को भी योजनाओं का लाभ दिया जाये।

सफलता की कहानी किसान की जुबानी

मैं राजवती पत्नी श्री अजब सिंह ग्राम काठी खेड़ा विकास खण्ड हापुड़ जनपद–हापुड़ की निवासी हूँ। मैं अपनी 1 हैक्टेयर जमीन पर गेंहूं, धान, ज्वार आदि की खेती करती थी, जिसमें मुझे बहुत कम उत्पादन होता था। इसी समय में मेरे गांव में उद्यान विभाग के कर्मचारियों ने खुली बैठक का आयोजन किया जिसमें उन्होने संकर टमाटर, संकर मिर्च, पुष्प उत्पादन आदि फसलों की जानकारी दी। जानकारी देने के उपरान्त मुझे उद्यान विभाग से रजनीगंधा का बीज निःशुल्क प्राप्त हुआ तथा मैने उद्यान विभाग के कर्मचारियों के निर्देशों में 1 हैक्टेयर जमीन पर रजनीगंधा की खेती की जिसमें मुझे गेंहू, धान, ज्वार की खेती की अपेक्षा मिर्च की खेती से लगभग 2 गुना अधिक लाभ प्राप्त हुआ। इसी से मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आया। मैं अपने परिवार का जीवन यापन ठीक से कर पा रही हूँ। उद्यान विभाग के कर्मचारियों से अनुरोध है कि मुझे समय–समय पर खेती की नवीनतम तकनीकी जानकारी देने का कष्ट करें जिससे आगामी वर्षों में मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार हो तथा गांव के सभी कृषक योजनाओं का लाभ उठा सकें। मैं उद्यान विभाग की दिल से आभारी हूँ।

सफलता की कहानी किसान की जुबानी

मैं वली मौहम्मद पुत्र श्री यासीन ग्राम घुंघराला विकास खण्ड हापुड़ जनपद–हापुड़ की निवासी हूँ। मैं अपनी 1 एकड़ जमीन पर गेंहूं, धान, ज्वार आदि की खेती करता था, जिसमें मुझे बहुत कम उत्पादन होता था। इसी समय में मेरे गांव में उद्यान विभाग के कर्मचारियों ने खुली बैठक का आयोजन किया जिसमें उन्होने संकर टमाटर, संकर मिर्च, पुष्प उत्पादन आदि फसलों की जानकारी दी। जानकारी देने के उपरान्त मुझे उद्यान विभाग से संकर पत्तागोभी का बीज निःशुल्क प्राप्त हुआ तथा मैने उद्यान विभाग के कर्मचारियों के निर्देशों में 1 हैक्टेयर जमीन पर संकर पत्ता गोभी की खेती की जिसमें मुझे गेंहू, धान, ज्वार की खेती की अपेक्षा मिर्च की खेती से लगभग 3 गुना अधिक लाभ प्राप्त हुआ। इसी से मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आया। मैं अपने परिवार का जीवन यापन ठीक से कर पा रहा हूँ। उद्यान विभाग के कर्मचारियों से अनुरोध है कि मुझे समय–समय पर खेती की नवीनतम तकनीकी जानकारी देने का कष्ट करें जिससे आगामी वर्षों में मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार हो तथा गांव के सभी कृषक योजनाओं का लाभ उठा सकें। मैं उद्यान विभाग का दिल से आभारी हूँ।